मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 112, मुंबई, बुधवार, 8 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

चीन, कोरोना.....

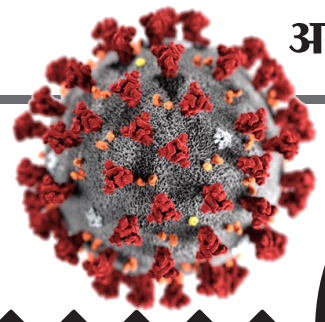

केंद्र पर शिवसेना का बड़ा ATTACK

प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा आत्मविश्वास व्यक्त किया था कि हम 21 दिनों में कोरोना युद्ध जीत कर ही रहेंगे, लेकिन 100 दिनों के बाद भी कोरोना मैदान में डटा हुआ है और लड़नेवाले थक चुके हैं

‘सीमा पर चीन और देश में चीनी वायरस का संकट जारी रहेगा’

मुंबई। देश में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में 25 हजार नए केस सामने आ चुके हैं। देश में इस वक्त कोरोना के 7 लाख मामले आ चुके हैं जबकि 20 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ दल शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। सामना में लिखा गया है कि यह युद्ध 21 दिन नहीं बल्कि 2021 तक चलेगा। सामना में लिखा गया, रविवार को देश में कोरोना पीड़ितों की कुल संख्या 6 लाख 87 हजार हो गई, यानी लगभग 7 लाख हो गई। यह सबसे अधिक साबित हुआ। इसलिए हमने रूस को इस आंकड़े में हरा दिया। यदि यह इसी तरह जारी रहा, तो हम इस दुर्भाग्यपूर्ण मामले में दुनिया में नंबर एक पर पहुंच जाएंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

‘अनलॉक का मतलब यह नहीं कि सब ठीक हो गया’

दस हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती करेगी महाराष्ट्र सरकार

पहली महिला बटालियन की भी स्थापना होगी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में दस हजार पुलिसकर्मी भर्ती करने का फैसला किया है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने इस फैसले पर मुहर लगायी है। इस भर्ती से मौजूदा पुलिसकर्मियों को कुछ राहत जरूर मिलने की संभावना है। कोरोना की वजह से पुलिसकर्मी बेहद ही तनाव में ड्यूटी करने को मजबूर हैं। राज्य में कानून एवं व्यवस्था सुचारू रूप से चले।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बेमतलब नस्लभेद

नस्लभेद एक ऐसी खामी है, जो इंसानी समाज का पीछा नहीं छोड़ रही है। दुनिया में एक समय रंग के आधार पर इंसानों की खरीद-फरोख्त से लेकर आज अमेरिका में उठते नस्लवादी जुमलों तक अनेक ऐसे स्याह पहलू हैं, जो न केवल दुखद, बल्कि शमर्नाक हैं। भले ही 17वीं सदी से एक नस्लीय विज्ञान खड़ा करने की कोशिश हुई है, जिसके तहत किसी नस्ल को रंग के आधार पर श्रेष्ठ, तो किसी को कमतर बताने का उपक्रम रहा है। लेकिन धीरे-धीरे यह सिद्ध होता गया है कि इंसानों के बीच कोई खास फर्क नहीं है। रंग के आधार पर किसी नस्ल को कमतर या श्रेष्ठ नहीं बताया जा सकता। त्वचा का बदलता रंग एक विकासवादी प्रक्रिया का हिस्सा है। त्वचा के रंग की विविधता पर हाल ही में एक ऐतिहासिक अध्ययन सामने आया है। जीन के विकास का पता लगाने में जुटी टीम ने यह जांचा कि जीन दुनिया भर में कैसे यात्रा करते हैं। टीम इस नतीजे पर पहुंची है कि अफ्रीकी मूल के लोगों के एक बडे.हिस्से में जीन में ऐसे बदलाव हुए, जो उनकी त्वचा के रंग के लिए जिम्मेदार हैं। साइंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि दो जीन, एचईआरसी 2 और ओसीए 2, यूरोपीयों की हल्की त्वचा, आंखों और बालों से जुड़े हैं। वास्तव में, अफ्रीका एक ऐसा महादेश है, जहां हर रंग के लोग पाए जाते हैं। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि रंग के आधार पर उनमें कोई किसी से श्रेष्ठ या कमतर है। त्वचा का रंग एक जैविक प्रक्रिया मात्र है। कोई तुक नहीं कि नस्लवाद जारी रखा जाए। 18वीं शताब्दी में स्वीडिश प्रकृतिवादी कोरोलस लिनिअस ने इंसानों को चार समूहों में बांटा था, यूरोपीय, अमेरिकी, एशियाई और अफ्रीकी। 19वीं सदी के पहले दशक में अमेरिका में एक मानव विज्ञानी सैमुअल जॉर्ज मॉर्टन हुए, जो दुनिया भर से मिली खोपड़ियों को मापते रहे और यह बताया कि रंग व श्रेष्ठता का रिश्ता मस्तिष्क के आकार से जुड़ा है। वह बताना चाहते थे कि श्वेत लोगों की खोपड़ी बड़ी होती है और इसीलिए वे श्रेष्ठ होते हैं, जबकि सच यह कि खोपड़ी के आकार से श्रेष्ठता का कोई लेना-देना नहीं है। अश्वेतों की भी खोपड़ी बड़ी होती है और श्वेतों में भी छोटी खोपड़ी पाई जाती है। पहले भी ऐसे वैज्ञानिक थे, जो बड़ी खोपड़ी और श्रेष्ठता के बीच किसी रिश्ते को खारिज करते थे, पर ऐसे वैज्ञानिकों को नजरंदाज कर दिया जाता था। लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि श्वेत श्रेष्ठ हैं, इसलिए वे अश्वेतों पर राज करने के अधिकारी हैं और इसी गलत विचार का परिणाम है कि आज भी श्वेत पुलिस वाले निर्दोष अश्वेत के गले पर सवार हो उसके प्राण ले लेते हैं। अनेक वैज्ञानिक यह मानते रहे हैं कि दुनिया में करीब 63 नस्ल के इंसान रहते हैं, लेकिन श्रेष्ठता नस्ल से तय नहीं होती। 1990 से 2003 के बीच हुए डीएनए अनुसंधान के तहत आनुवंशिकी के साथ मानव वंश को डिकोड करने के बाद पाया गया कि सभी मानव समान हैं, उनमें असाधारण रूप से 99.9 प्रतिशत साम्यता है। जो 0.1 प्रतिशत अंतर है, वह सिर्फ हमारे वातावरण और कुछ अन्य बाहरी कारकों से तय होता है। वैज्ञानिक आईक्यू या बौद्धिक स्तर के आधार पर भी नस्लभेद को खारिज कर चुके हैं। संदेश स्पष्ट है, यदि हर इंसान को एक तरह का पालन-पोषण, शिक्षा और परिवेश मिले, तो इंसानों के बीच कोई असमानता नहीं रह जाएगी।

आपराधिक साठगांठ

हमारे देश में पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का पालन करते हुए समय-समय पर वीरगति को प्राप्त होते रहते हैं, परंतु जैसी घटना कानपुर में हुई वैसी सामान्यतः हमें कश्मीर, पूर्वोत्तर से या नक्सल प्रभावित इलाकों से ही सुनने को मिलती रही हैं। कानपुर में आठ पुलिस कर्मियों के बलिदान की घटना पूरे देश को झकझोरने वाली है। कानपुर उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा नगर है और यहां न तो जंगल हैं और न ही आतंकवादियों की पैठ। एक कुख्यात अपराधी द्वारा ऐसी घटना को अंजाम देना प्रदेश की शांति व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इस भीषण वारदात को लेकर सबसे पहले प्रश्न यह उठता है कि आखिर यह घटना हुई कैसे? आरोपित विकास दुबे कहां है, इसकी पूरी जानकारी थी।

तीन थानों की पुलिस उसे पकड़ने जाती है, परंतु उसे लेने के देने पड़ जाते हैं। दुर्भाग्य की बात है कि पुलिस दल तैयारी के साथ नहीं गया। कई पुलिसकर्मियों के पास कोई हथियार नहीं था। न तो किसी के पास बुलेटप्रूफ जैकेट थी और न किसी ने हेलमेट पहन रखा था। फील्ड क्राफ्ट्स और रणनीति के जो नियम होते हैं उन सबकी अवहेलना करते हुए दबिश दी गई। दूसरी बड़ी विचित्र बात यह कि पुलिस का अभिसूचना तंत्र लगभग शून्य था, जबकि विकास दुबे को पुलिस की गतिविधियों की पूरी जानकारी थी। स्पष्ट है कि किसी ने तो विकास दुबे के लिए मुखबिरी की। ऐसा प्रतीत होता है कि एक पुलिसकर्मी ने ही उसे आगाह किया था। यह और शर्म की बात हो जाती है। इससे तो घर का भेदी लंका ढाए वाली कहावत चरितार्थ होती है। पुलिस बल को अपनी असावधानी और तैयारी से न जाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। कानपुर की घटना को और गहराई में भी देखने की जरूरत है। दुर्भाग्यवश उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में आज नेता, सरकारी तंत्र और अपराधियों के बीच साठगांठ की बड़ी भयंकर समस्या है। इस समस्या की जानकारी सभी को है, परंतु उस पर प्रहार के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। नतीजा यह है कि विधानमंडलों और संसद में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों की घुसपैठ बढ़ती जा रही है। वर्ष 2017 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मर्स यानी एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार 143 विधायक यानी कुल संख्या के 36 फीसद विधायकों के खिलाफ कोई न कोई मुकदमा दर्ज था। इनमें 107 यानी 26 प्रतिशत ऐसे थे जिनके विरुद्ध हत्या जैसे गंभीर अपराध दर्ज थे। आखिर जब इतनी बड़ी संख्या में आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति हमारी विधानसभा में होंगे तो उनसे किस रामराज्य की आशा की जा सकती है? इनका न केवल अपराधियों से मेलजोल होगा, बल्कि उनके ऊपर इनका वरदहस्त भी होगा। ऐसी स्थिति में कानपुर जैसी घटना का होना कोई आश्चर्य का विषय नहीं है। आप बबूल का बीज डालेंगे तो उसमें कांटे ही निकलेंगे, आम खाने को नहीं मिलेंगे।

कहा जाता है कि विकास दुबे को अलग-अलग समय पर प्रदेश की बड़ी राजनीतिक पार्टियों का संरक्षण प्राप्त होता रहा। निःसंदेह नेताओं की जिम्मेदारी तो है ही, जनता को भी अपना चेहरा शीशे में देखना होगा। आखिर उन्हीं के वोट से तो ये लोग चुने जाते हैं और प्रदेश एवं केंद्र में विधानसभा-लोकसभा को सुशोभित करते हैं। अपने देश में नाजायज असलहा की समस्या भी काफी गंभीर है। एक आंकड़े के अनुसार भारत में कुल सात करोड़ से अधिक हथियार हैं और यह संख्या दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरे पायदान पर मानी जाती है। इसमें केवल एक करोड़ हथियारों का ही लाइसेंस है। शेष छह करोड़ अवैध हैं। उत्तर प्रदेश में इन अवैध हथियारों का अच्छा-खासा जखीरा होगा। ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि कानपुर एनकाउंटर में विकास दुबे के गुर्गों के पास अत्याधुनिक हथियार थे। आखिर ये हथियार उसके पास कहां से आए और पुलिस को इसकी जानकारी कैसे नहीं थी और जानकारी थी तो पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की? समाचार पत्रों के अनुसार विकास के गैंग ने पुलिस से एक एके-47 राइफल, एक इनसॉस राइफल और दो पिस्तौल भी छीन ली। यह पुलिस के लिए कोई गर्व की बात नहीं है।

समय आ गया है कि हम अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली पर भी नए सिरे से दृष्टि डालें। सच्चाई यह है कि दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2018 में कुल 4,14,112 व्यक्ति भारतीय दंड संहिता के तहत विभिन्न अपराधों में पकड़े गए। इनमें केवल 1,44,274 व्यक्तियों को ही सजा हो सकी। यानी केवल 34 प्रतिशत को ही सजा हो पाई। अदालतों में मुकदमों के लंबा खिंचने की स्थिति भी अत्यंत शोचनीय है। उत्तर प्रदेश में 2018 में विभिन्न न्यायालयों में कुल 10,27,583 मुकदमे विचाराधीन थे। इसमें केवल 65,130 को ही सजा हो पाई और वर्ष के अंत में लंबित मामलों की संख्या का प्रतिशत 90.8 रहा। कहने का तात्पर्य यह है कि मुकदमों के निस्तारण में बहुत समय लगता है और सजा भी कम ही अपराधियों को होती है। विकास दुबे को ही देखा जाए तो 60 आपराधिक घटनाओं में लिप्त होने के बावजूद वह छुट्टा बाहर घूम रहा था।

भारत को नीतियों में लाना होगा बदलाव

देश-दुनिया में व्याप्त महामारी और तालाबंदी के बीच अनेक कारणों से कई देशों में उथल-पुथल कायम है। चीन की विस्तारवादी नीति के कारण उसकी सीमा से सटे हुए अनेक देश, और उसकी भौगोलिक सीमा से दूर बसे हुए कई देश की उसकी विस्तारवादी नीतियों से येन-केन प्रकारेण प्रभावित होते रहे हैं। इस बीच चीन में उभरने वाले कोरोना वायरस के संक्रमण का दायरा तेजी से फैल रहा है। इसके साथ दुनिया लगातार दो अलग-अलग ध्रुवों की ओर खिंच रही है। ड्रैगन का प्रकोप हांगकांग से लेकर ताइवान और वियतनाम तक में देखा जा रहा है। इसने हिंद महासागर, प्रशांत और दक्षिण चीन सागर को भी नहीं बख्शा।

वर्ष 1947 में भारत-चीन सीमा की लंबाई चार हजार किमी से कुछ अधिक ही थी। वर्ष 1962 युद्ध के बाद भारत अक्साई चिन से हाथ धो बैठा। इस युद्ध के बाद डिफेंस डिक्शनरी में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) नामक एक नया शब्द शामिल हो गया। जम्मू और कश्मीर के संदर्भ में सरकार का रुख स्पष्ट करने के क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अक्साई चीन का जिक्र संसद में करते हैं। सचमुच 3,488

और 4,056 के बीच का फासला कम नहीं है।

अब थोड़ा पीछे चलते हैं। गंगा बेसिन में महात्मा बुद्ध ने बनारस के पास सारनाथ में उपदेश देना शुरू किया। बौद्ध धर्म भारत की मुख्य भूमि से गायब होने के बाद हिमालय की चोटियों से घिरे तिब्बत में फिर से प्रकट हुआ। लोकल शांग-शुंग संस्कृति और बॉन धर्म के साथ उनके समर्थकों ने एक नया बौद्ध धर्म विकसित किया। तिब्बत के पठार पर ही चीन की यलो रिवर बेसिन की हान संस्कृति और गंगा बेसिन की संस्कृतियों का मिलन होता है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पूंजीवादी और साम्यवादी दोनों ही अपने साम्राज्यवादी मंसूबों के लिए तिब्बत में जमीन तलाशने लगे थे। दलाई लामा ने अपनी जीवनी में लिखा है कि अमेरिका की सहायता तिब्बती स्वतंत्रता की बहाली के लिए वास्तविक समर्थन के बजाय उनकी कम्युनिस्ट विरोधी नीतियों का प्रतिबिंब ही थी। हाल ही में तिब्बत की निर्वासित सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री रिनपोछे के साथ हुई चर्चा में तिब्बत की ऊंची जमीन पर एक साथ बुद्ध और गांधी को उतारने की वकालत से पहले वह पुरानी परंपरा की अंतिम पीढ़ी और मैक मोहन लाइन का जिक्र करते हैं। गांधी के अवसान के करीब एक दशक बीतने पर उनके अनुयायियों ने वर्ष 1958 में अखिल भारतीय पंचायत परिषद की स्थापना की थी। ग्राम सभा के इस सर्वोच्च संस्था के साथ जुड़ाव के कारण कई बातें पता चलती हैं। तिब्बत में मानसरोवर झील के पास स्थित मनसर गांव 1962 के युद्ध तक भारतीय खजाने को राजस्व देता था। सीमा के पास कई गांवों में भारतीय और चीनी लोगों के बीच सामानों का आदान-प्रदान वस्तु विनिमय प्रणाली के तहत होता था। इस तरह का लेन-देन लालच पर केंद्रीत मांग के बजाय जरूरत पर आश्रित अर्थव्यवस्था को ही दर्शाता है।

फेरीवालों को कारोबार शुरू करने की अनुमति अभी नहीं दी जा सकती : महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए वर्तमान में फेरीवालों को अपना कारोबार शुरू करने की अनुमति देने का उसका कोई इरादा नहीं है। महाधिवक्ता आशुतोष कुम्भकोणी ने न्यायमूर्ति ए ए सैयद और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की खंडपीठ को बताया कि राज्य सरकार के पास सड़क पर दुकान लगाने और फेरी लगाने वालों के लिए कोई नीति नहीं है और इस समय ऐसी कोई नीति बनाने पर विचार नहीं किया जा रहा है। कुम्भकोणी ने कहा, वर्तमान में फेरी वाले असंगठित क्षेत्र में आते हैं और कोविड-19 महामारी के बीच उन्हें कारोबार करने की

अनुमति देने से समाज में यह बीमारी बड़े स्तर पर फैल सकती है। महाधिवक्ता लॉकडाउन की वजह से सड़क पर दुकान लगाने वालों की आय का साधन समाप्त होने से उत्पन्न स्थिति को लेकर मनोज ओसवाल नामक व्यक्ति की जनहित याचिका पर अपना जवाब दे रहे थे। ओसवाल के वकील की ओर से दलील दी गई कि जब होटल और रेस्तरां को संचालन की अनुमति दी जा सकती है तो फेरीवालों को भी सड़क पर दुकान लगाने की अनुमति दी जानी चाहिए। खंडपीठ ने मंगलवार को सरकार को निर्देश दिया कि वह इस संबंध में हलफनामा दाखिल करे और मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी।

मुंबई में अब बिना प्रेस्क्रिप्शन होगा कोरोना का टेस्ट

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) बिना प्रेस्क्रिप्शन के कोरोना टेस्ट कराने की अनुमति देने जा रही है। इस संबंध में जल्द ही आदेश जारी कर दिए जाएंगे। यह फैसला शहर में कोरोना टेस्ट के आंकड़े बढ़ाने के लिए लिया जाने वाला है। दरअसल, मुंबई की लैब्स में प्रतिदिन 10 हजार कोरोना टेस्ट करने की क्षमता है लेकिन अभी हर दिन बीएमसी सिर्फ 5 हजार टेस्ट ही कर पा रही है। जानकारी के मुताबिक, एक बार आदेश जारी होने के बाद प्राइवेट लैब्स को साफ संदेश दे दिया जाएगा कि अब कोरोना टेस्ट करने के लिए किसी भी प्रेस्क्रिप्शन की जरूरत नहीं है। इसके बाद कोई भी शख्स लैब से संपर्क करके या लैब जाकर कोरोना टेस्ट करवा सकेगा। इससे उन लोगों को भी आसानी होगी, जो एहतियात के तौर पर कोरोना टेस्ट कराना चाहते हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने एक चेतावनी दी थी कि कुछ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश क्षमता के मुताबिक, कोरोना टेस्टिंग नहीं कर रहे हैं। इसी के बाद से बीएमसी कोरोना टेस्ट कराने के लिए शर्तों में ढील दे रही है।

मुंबई एयरपोर्ट घोटाले में ईडी ने दर्ज किया केस

805 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई एयरपोर्ट में 805 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने जीवीके ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर लिया है। इस केस में प्रवर्तन निदेशालय ने जीवीके ग्रुप के चेयरमैन जी वेंकट कृष्ण रेड्डी, मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के प्रबंध

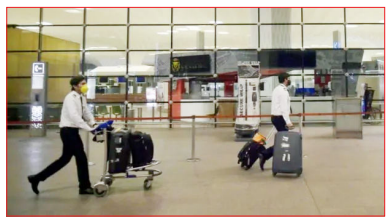

निदेशक जीवी संजय रेड्डी, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और दूसरे 9 प्राइवेट फर्म को आरोपी बनाया है। इन लोगों पर 805 करोड़ रुपये की गड़बड़ी करने का आरोप है। ईडी के मुताबिक आरोपियों ने 805 करोड़ रुपये का हेरफेर किया और इतनी रकम डकार गए, जिससे कि सरकारी खजाने को 805 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

जीवीके ग्रुप के जिम्मे था मुंबई एयरपोर्ट का जिम्मा: बता दें कि केंद्र सरकार ने मुंबई एयरपोर्ट को मैनेज, ऑपरेट और डिवेलप करने का जिम्मा जीवीके ग्रुप को दिया था। ये डील 4 अप्रैल 2006 को हुई थी। आरोप है कि जीवीके ग्रुप ने 805 करोड़ रुपये की सरकारी रकम का फ्रॉड किया है।

सीबीआई कर रही है मामले की जांच: इस मामले की जांच सीबीआई भी कर रही है। सीबीआई ने इस मामले में एफआईआर दर्ज और छापेमारी की है। सीबीआई जब केस की जांच में जुटी, तो मामला खुलता चला गया। सीबीआई ने जांच में पाया कि एयरपोर्ट के आसपास 200 एकड़ की सरकारी जमीन को किसी बढ़िया होटल या मॉल बनाने लायक करने में करोड़ों रुपये का घपला हुआ है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

चीन, कोरोना...केंद्र पर शिवसेना का बड़ा अटैक

इसमें आगे कहा गया, महाभारत का युद्ध 18 दिनों तक चला। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा आत्मविश्वास व्यक्त किया था कि हम 21 दिनों में कोरोना युद्ध जीत कर ही रहेंगे, लेकिन 100 दिनों के बाद भी कोरोना मैदान में डटा हुआ है और लड़नेवाले थक चुके हैं। यह भयानक तो है ही, लेकिन यह उस देश के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। सामना में कहा गया, लगातार ऐसे सवाल पूछे जा रहे हैं, जैसे लॉकडाउन का नियोजन नहीं किया, वैसा ही अनलॉक के बारे में भी हो रहा है क्या? ये खोलो, वो खोलो, लोगों को बाहर निकलने दो, कितने दिनों तक लोगों को बंद रखना चाहते हो? लेकिन घर से बाहर निकलते ही कोरोना के दूत बैठे ही हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कुछ हद तक लॉकडाउन में ढील दी, लेकिन ट्रेनें बंद हैं, सैलून खुले हैं। संपादकीय के अनुसार, मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि होटल, रेस्तरां और लॉज भी जल्द ही खोले जाएंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सबकुछ ठीक हो गया है और कोरोना संकट खत्म हो गया है। कोरोना रहनेवाला है और हमें कोरोना के साथ जीने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसमें आगे कहा गया, दुनिया भर में 11 टीके मानव परीक्षण के लिए तैयार हैं, लेकिन किसी भी मामले में इनमें से कोई भी टीका 2021 से पहले आने की संभावना नहीं है। इसलिए हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि सीमा पर चीन का और देश में चीनी वायरस का संकट जारी रहेगा। आगे लिखा है, अब तक चीनी घुसपैठ और उसके विस्तारवाद को रोकने के लिए कई प्रयोग और परीक्षण किए गए। कोरोना के साथ जियो ऐसा मंत्र जो कहा जा रहा है, उसी प्रकार 'हिंदी चीनी भाई भाई' कहते हुए चीन के साथ जीने की भी तैयारी की गई। फिर भी चीन ने आक्रमण करना नहीं छोड़ा। चीन के साथ जीना संभव नहीं, फिर भी हमें चीन के साथ पड़ोसी व्यवहार निभाना होगा।

दस हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती करेगी....

इसलिए महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दस हजार पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्ती का फैसला किया है इस भर्ती का फायदा राज्य के शहर और ग्रामीण इलाके के युवाओं को होगा। महाराष्ट्र सरकार ने नागपुर के काटोल में राज्य की पहली महिला बटालियन की स्थापना करने का भी फैसला किया है। यह बटालियन एसआरपीएफ यानी स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स की होगी। सरकार के इस कदम से महिलाओं को एक और रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। महाराष्ट्र सरकार ने पहले भर्ती प्रक्रिया में सिर्फ 8 हजार पदों पर सहमति जताई थी। अजित पवार के निवेदन के बाद इसे बढ़ाकर दस हजार पद कर दिया गया। सरकार ने इस भर्ती प्रक्रिया को अगले साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल महाराष्ट्र पुलिस में 1 लाख 95 हजार पुलिसकर्मी और अधिकारी कार्यरत हैं।

सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस

मुंबई पुलिस ने भंसाली से पूछे 30 सवाल

जवाब में बोले– सुशांत ने खुद फिल्में छोड़ीं, मैं उनसे सिर्फ 3 बार मिला

संवाददाता

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड मामले में मुंबई पुलिस ने सोमवार को फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली से करीब 3 घंटे तक पूछताछ की थी। इस दौरान पुलिस ने उनसे दिवंगत एक्टर के साथ उनके संबंधों और उन्हें फिल्मों से निकालने से जुड़े सवाल पूछे। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने उनसे 30 से ज्यादा सवाल पूछे। पुलिस ने भंसाली से पूछा कि फिल्म 'गोलियों की रासलीला : राम-लीला' और 'बाजीराव मस्तानी' से हटाए जाने की वजह से सुशांत डिप्रेशन में चले गए थे और इस बारे में आपकी उनसे क्या बातचीत हुई थी? जवाब में भंसाली ने कहा कि उन्होंने सुशांत को किसी फिल्म से ड्रॉप नहीं किया और न ही उन्हें रिप्लेस किया गया था। भंसाली ने कहा, सुशान्त सिंह राजपूत से मेरी मुलाकात साल 2012 में 'सरस्वतीचंद्र' नाम के एक सीरियल की कास्टिंग के दौरान हुई थी, लेकिन सुशांत को उस वक्त इस सीरियल के लिए कास्ट नहीं किया गया था।

हालांकि मैं उनकी एक्टिंग स्किल्स से प्रभावित था। भंसाली बोले- '2013 में आई 'रामलीला' और साल 2015 में आई 'बाजीराव-मस्तानी' के लिए मैंने 2 बार सुशांत सिंह राजपूत को एप्रोच किया था, लेकिन उस समय वो यशराज फिल्म के बैनर तले बन रही फिल्म 'पानी' की वर्कशॉप और शेड्यूल में व्यस्त थे।' आगे उन्होंने कहा, 'एक डायरेक्टर के तौर पर मैं उनका पूरा अटेंशन और डेडिकेशन चाहता था, लेकिन अपने ही शेड्यूल की व्यस्तता के चलते खुद सुशांत ने इन दोनों फिल्मों के लिए मुझे मना कर दिया था। जिसके बाद मैंने उनसे फिल्मों को लेकर दोबारा कोई बात नहीं की।'

'हमारे सामान्य रिश्ते थे, वे मेरे करीबी नहीं थे'

सुशांत को एक फिल्म अभिनेता के तौर पर मैं उसी तरह जानता था जैसे कि बाकी कलाकारों को जानता हूं। वे मेरे इतने करीबी नहीं थे कि मुझसे निजी बातें साझा करें। उनके डिप्रेशन की बात मुझे पता नहीं थी।

'पिछले चार सालों में सिर्फ तीन बार मिला'

सुशांत से हुई मुलाकातों को लेकर भंसाली ने कहा, '2016 के बाद सुशांत सिंह राजपूत से मैं केवल 3 बार मिला था, वह भी सिर्फ फिल्म शोज के दौरान, लेकिन इस दौरान किसी फिल्म को करने या फिर किसी अन्य चीज पर मेरी उनसे बात नहीं हुई थी।'

सरकार का फैसला

फेस मास्क और हैंड सैनिटाइजर अब जरूरी सामानों की लिस्ट से बाहर, अब देश में इनकी पर्याप्त आपूर्ति

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला फेस मास्क (2 प्लाई एवं 3 प्लाई सर्जिकल मास्क, एन95 मास्क) और हैंड सैनिटाइजर अब आवश्यक वस्तु नहीं रहे हैं। केंद्र सरकार ने इन दोनों वस्तुओं को एसेंशियल कमोडिटी एक्ट-1955 से बाहर निकाल दिया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव लीना नंदन ने मंगलवार को कहा कि देश में पर्याप्त आपूर्ति होने के कारण इन दोनों वस्तुओं को आवश्यक वस्तुओं की सूची से बाहर निकाला है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 13 मार्च को फेस मास्क और हैंड सैनिटाइजर्स को 100 दिनों के लिए आवश्यक वस्तुओं की सूची में शामिल किया था। कोरोनावायरस से लड़ाई में आपूर्ति बढ़ाने और जमाखोरी रोकने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया था। लीना नंदन ने कहा कि इन दोनों वस्तुओं को 30 जून तक के लिए आवश्यक वस्तुओं की सूची में शामिल किया था। देश में पर्याप्त आपूर्ति होने के कारण हम इसे आगे बढ़ा नहीं रहे हैं।

राज्यों से सलाह के बाद लिया फैसला

उन्होंने कहा कि इन दोनों वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर राज्यों से जानकारी मांगी थी। राज्यों ने कहा है कि अब इन वस्तुओं की आपूर्ति को लेकर कोई समस्या नहीं है। लीना ने कहा कि राज्य सरकारों से विचार-विमर्श के बाद ही यह फैसला लिया है। मास्क और हैंड सैनिटाइजर को एसेंशियल कमोडिटी एक्ट में शामिल करने से राज्यों को इनका उत्पादन रेगुलेट करने और वितरण में मदद मिली है।

क्या है एसेंशियल कमोडिटी एक्ट?

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट के तहत आने वाली वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना और उनकी बिक्री अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी पर सुनिश्चित करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी होती है और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने की शक्ति भी राज्य सरकार के पास होती है।

कानपुर कांड: बम–विस्फोटक–तमंचे...

फरार विकास दुबे के घर से मिला 'आतंक' का जखीरा

लखनऊ। गैंगस्टर विकास दुबे को लेकर हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। कानपुर गोलीकांड में आरोपी विकास दुबे की तलाश में उत्तर प्रदेश पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है, लेकिन उसके हाथ अब तक खाली हैं। इस बीच, यूपी पुलिस को बिकरू गांव स्थित उसके घर से कई देसी बम मिले हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने मंगलवार को कहा कि विकास के घर शस्त्र होने की जानकारी मिलने के बाद तलाशी की गई तो 2 किलो विस्फोटक, तमंचे और बम मिले हैं। प्रशांत कुमार ने कहा कि उम्मीद है कि बहुत जल्द सभी अभियुक्त और उन्हें संरक्षण देने वाले पकड़ मे आएंगे और वे जेल जाएंगे। विकास दुबे के हथियारों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। वहीं, एसएसपी अनंत देव तिवारी के मामले पर प्रशांत कुमार ने कहा कि ऑडियो की जांच की पुष्टि कराई जा रही है, लेकिन प्राथमिक तौर पर कुछ आपत्तिजनक नहीं लग रहा है। प्रशांत कुमार ने कहा कि पुलिसकर्मियों की भूमिका जांच का विषय है। जो भी दोषी पाया जाएगा उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यूपी पुलिस की 40 टीमों के अलावा एसटीएफ की टीमें भी जांच और गिरफ्तारी में लगी हुई हैं। बता दें कि एक वायरल ऑडियो सामने आया है जिसमें शहीद सीओ, एसएसपी अनंत देव तिवारी को बता रहे हैं कि एसएचओ विनय तिवारी उनकी बात नहीं सुनते। शहीद सीओ देवेंद्र मिश्र के मोबाइल में मिली रिकॉर्डिंग में साफ पता चल रहा है कि उन्होंने चौबेपुर के दरोगा विनय तिवारी की शिकायत एसएसपी अनंत देव से की थी। इसके बावजूद अनंत देव ने कोई एक्शन नहीं लिया।

घटना के बाद ही पुलिस ने शुरू की जांच

प्रशांत कुमार ने कहा कि 3 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डीजीपी खुद घटनास्थल पर गए थे। सीएम ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए एक करोड़ रुपये की सहायता राशि, पेंशन और एक परिजन को नौकरी देने की घोषणा की। उसी दिन घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू की। प्रशांत कुमार ने बताया कि उसी दिन सुबह 2 बदमाश मारे गए और कुछ हथियार बरामद हुए। उन्होंने बताया कि अन्य जो अभियुक्त हैं, उन पर इनाम घोषित किया गया है। विकास दूबे पर ढाई लाख रुपये का इनाम है। गिरफ्तारी के लिए कोशिश जारी है। विकास और उसके साथियों की तलाश करने के साथ–साथ हथियारों की जानकारी ली जा रही है।

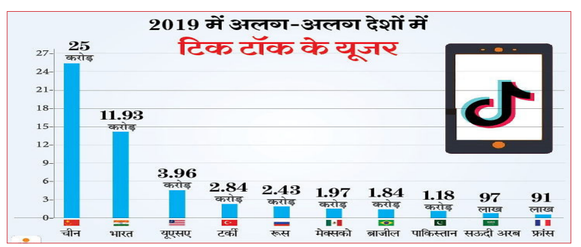

भारत के बाद यूएस में भी चीन पर सख्ती: अमेरिका में टिक टॉक समेत सभी चाइनीज ऐप बैन हो सकते हैं, विदेश मंत्री पोम्पियो ने कहा– इस पर गंभीरता से सोच रहे

वॉशिंगटन। भारत के बाद अब अमेरिका में भी चाइनीज ऐप बैन हो सकते हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने इसके संकेत दिए हैं। उन्होंने सोमवार को एक इंटरव्यू में कहा कि टिकटॉक समेत चीन के सभी सोशल मीडिया ऐप को बैन करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। अमेरिका का ये बयान चाइनीज ऐप पर भारत में हुई कार्रवाई के 6 दिन बाद आया। टिकटॉक जैसे चाइनीज ऐप से अमेरिका भी राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा बता चुका है। अमेरिका-चीन के बीच कोरोना और हॉन्गकॉन्ग के मुद्दे पर भी तनाव बना हुआ है। लद्दाख में तनाव के बीच भारत ने 29 जून को टिकटॉक समेत 59 चाइनीज ऐप पर रोक लगा दी थी। सरकार ने कहा कि इन ऐप्स के जरिए यूजर की जानकारियां हासिल की जा रही हैं, ये देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। संचार मंत्री रविशंकर प्रसाद ने इस फैसले को चीन पर डिजिटल स्ट्राइक बताया था। भारत के इस फैसले को पोम्पियो ने सही बताया था। चीन के बाहर अमेरिका टिकटॉक का दूसरा बड़ा बाजार है। वहां अभी टिकटॉक के 4.54 करोड़ यूजर हैं, 2019 तक 3.96 करोड़ थे। दूसरी ओर भारत में टिकटॉक तेजी से बढ़ रहा था। 2019 तक भारत में टिकटॉक के 11.93 करोड़ यूजर थे, इस साल जून तक करीब 20 करोड़ हो गए थे।

टिकटॉक हॉन्गकॉन्ग से भी निकलेगा: चीन के वीडियो शेयरिंग ऐप टिकटॉक ने कहा है कि वह कुछ ही दिनों में हॉन्गकॉन्ग के कारोबार से बाहर हो जाएगा। टिकटॉक ने यह फैसला हॉन्गकॉन्ग में नया सुरक्षा कानून लागू होने के बाद लिया है। चीन ने 1 जुलाई से हॉन्गकॉन्ग में सुरक्षा कानून लागू किया था। इस विवादित कानून में प्रोविजन है कि कोई विरोध-प्रदर्शन के लिए सोशल मीडिया का सहारा लेगा तो सोशल मीडिया कंपनी पर कार्रवाई हो सकती है। दूसरी ओर टिकटॉक पर चीन की सरकार के फेवर में कंटेंट और यूजर के डेटा को मैनेज करने के आरोप भी लगते रहे हैं।

करंट लगने से युवक की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम, घंटों रहा यातायात ठप

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक के गोही पंचायत के तहत बरियारपुर गांव में करेंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बरियारपुर वार्ड संख्या 14 निवासी रघुनन्दन साह का 20 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार के तौर पर की गई है। मिली जानकारी के अनुसार धीरज अपने घर मे बल्ब जलाने के लिए जैसे ही बोर्ड पर हाथ बढ़ाया की उसे बिजली का जबरदस्त झटका लगा और बेहोश होकर नीचे गिर गया। आनन फानन में घर के लोग युवक को ईलाज के लिए वारिसनगर पीएचसी लाये परंतु ससमय पीएचसी में डॉक्टर नही रहने के कारण बिजली से झुलसे युवक का इलाज नही हो सका और थोड़ी

देर बाद ही युवक ने दम तोड़ दिया। अगर डॉक्टर अस्पताल में मौजूद रहते तो झुलसे युवक की जान बच सकती थी। इससे आक्रोशित लोगों ने पीएचसी में हंगामा करने के बाद जमकर डॉक्टर के खिलाफ नारेबाजी करने लगे तथा नाराज होकर परिजनो ने समस्तीपर से बांसडीह जाने वाली मुख्य सड़क पर लाश को रखकर जाम कर दिया और पीएचसी के डॉक्टर के खिलाफ नारे बाजी के अलावा डॉक्टर को यहां से हटाने की मांग करने लगे। आक्रोशित लोगों का कहना था कि जबतक सम्बंधित विभाग डॉक्टर और नर्स को हटाया नही जाता तबतक सड़क जाम लगी रहेगी। इतना ही नही जामकर्ता उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे। घण्टो जाम रहने के कारण सड़क के दोनो ओर गाड़ियों की लम्बी कतार लग गई जिससे राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। ईधर जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी परसुंजय कुमार, दरोगा नागेश्वर प्रसाद, विकास कुमार आलोक, शनि कुमार तथा स्थानीय समाज सेवी के पहल पर आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर जाम को खत्म कराया उसके बाद यातायात बहाल हो सका। थाना प्रभारी ने मौके पर कहा कि दोषियों के ऊपर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। ईधर बीडीओ अजमल परवेज ने बताया कि मृतक के परिजन को कागजी प्रक्रिया के बाद 20 हजार रुपया दिया जाएगा।

पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

समस्तीपुर। पुलिस कप्तान विकास बर्मन ने जिले के विभिन्न थानों में पदस्थापित 23 पुलिस पदाधिकारी का स्थानांतरण कर दिया है। खासकर एक अनुमंडल में 3 साल की अवधि पूरा करने वाले पुलिस पदाधिकारियों को दूसरे अनुमंडल के थाने में भेजा गया है। जानकारी के अनुसार आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस महकमे में फेर बदल किया गया है। स्थानांतरित किए गये सभी पुलिस अवर निरीक्षक के पदाधिकारी बताए

जाते हैं इनमें नगर थाना में पदस्थापित विलास प्रसाद सिंह को रोसड़ा, सरयुग मिस्त्री को हलई ओपी, शिव शंभू प्रसाद को दलसिंहसराय, प्रतिमा को विभूतिपुर थाना भेजा गया है। इसी तरह अमानुल्लाह को भी बिथान, शाहबाज आलम को मोहीउद्दीननगर, अमरेंद्र कुमार त्रिवेदी को दलसिंहसराय,सुनील कुमार सिंह को नगर थाना, विभूतिपुर थाने के आगम राम को उजियारपुर, ताजपुर थाना के लालजी राम को अंगारघाट भेजा गया है। अंगारघाट थाने के राम बहादुर माली को ताजपुर, बंगरा थाने के बृज नंदन सिंह को अंगारघाट, महिला थाने के वीरेंद्र राम को शिवाजी नगर थाना कल्याणपुर थाने के अजीत कुमार त्रिवेदी को हसनपुर थाना एवं अफताब आलम खां को दलसिंहसराय भेजा गया है। सरायरंजन थाना के श्याम नारायण राम को विभूतिपुर थाना चकमेहसी थाने के नरेश प्रसाद यादव को मोहीउद्दीननगर थाना, वारिसनगर थाना के जय प्रकाश साहू को हसनपुर थाना, पटोरी थाना के जयनारायण सिंह को बिथान थाना, अवधेश कुमार सिंह को पटोरी, अंगार घाट थाना के रामकुमार रविदास को बंगरा थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है।

नल जल योजना का लाभ लेने मांगा जा रहा है घूस

संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आसीन पुर वार्ड नंबर 2 नरेश कापर ने जिलाधकारी को एक आवेदन डाक से प्रेषित किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि उनके पंचायत में नल जल योजना का कार्य चल रहा था। वार्ड के कुछ लोगों के घर तक नल जल योजना का लाभ नहीं मिला है, इसको लेकर जब नरेश कापर ने वार्ड सदस्य शिवकुमार ठाकुर को कहा तो उसने 5000 रूपया का मांग कर दिया, एवं कहा की आपको जहां जाना है जाइए मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। बगैर पैसा के आपके घर तक पाइप नहीं बिछाया जाएगा। एक तरफ सरकार अपने जनता को पानी पहुंचना चाहती तो है लेकिन उसके अधीन कार्य कर रहे वार्ड सदस्य जैसे लोग सरकार के कार्यों को भली भांति पूर्ण नहीं होने दे रहे। जिससे कि आम जनों का भला हो सके। जिलाधिकारी को आवेदन प्रेषित कर इसकी जांच की मांग किया है। एवं दोषियों पर कार्रवाई की मांग किया है।अब देखना है कि इस आवेदन पर कब तक कारवाई होती है।

रामपुर हलचल

लॉकडाउन का हो रहा है खुला उल्लंघन

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। पुलिस विभाग की पहरेदारी नगर के मुख्य बाजार के अन्दर लगातार जारी, ई-रिक्शा चालाक, दो पहिया वाहनों पर सवार यात्री एवं पैदल चलने वाले कर रहे हैं, लॉकडाउन का खुला उल्लंघन, न मास्क की है फिक्र, तथा बिना हेलमेट लगाए घुमते नजर आ रहे हैं लोग, पुलिस का भय जरा भी असर नहीं कर रहा उल्लंघन करने वालों पर,

पुलिस विभाग की कड़ी मेहनत एवं पहरे दारी के चलते नगर के मुख्य बाजार के अन्दर दो पहिया वाहनों पर तीन सवारिया तैनात होकर सफर करते नजर आ रही हैं वहीं बिना मास्क लगाए ई-रिक्शा चालाक व ट्रेक्टर पर सवार होकर लॉकडाउन कोरोना वायरस का खुला उल्लंघन कर ने वाले जरा भी गंभीर नहीं हैं जबकि पुलिस द्वारा पहरे दारी के चलते शाम के समय में लगातार मुख्य मार्ग का भ्रमण कर सतकर्ता बरतें जाने को लेकर सख्ती के चलते अन्जाम दिया जाता है रिक्शा चालाक, दो पहिया वाहन, ट्रेक्टर आदि पर उल्लंघन करने वालों के प्रति जरा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है उल्लंघन करने वालों के होसले बुलन्द होते नजर आ रहे है जिसपर अंकुश लगाया जाना समय से बेहद आवश्यक हैं।

समस्तीपुर हलचल

सांसद प्रिंस राज का लोजपा कार्यकर्ता ने मनाया जन्म दिन

समस्तीपुर। लोजपा नगर कार्यालय पर समस्तीपुर में लोजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह समस्तीपुर लोकप्रिय सांसद माननीय श्री प्रिंस राज जी का जन्मदिन लोजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया गया। इस जन्मदिन के मौके पर लोजपा कार्यकर्ताओं ने भारत चीन गलवान घाटी के युद्ध में शहीदों की शहादत के लिए श्रद्धांजलि अर्पित पर उनके प्रति गहरी संवेदना प्रकट किया गया और उनके सम्मान में एवं आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर शांतिपूर्ण विधिवत जन्मदिन को मनाया गया। इस कार्यक्रम के मौके पर युवा लोजपा नेता राजा पासवान, आईटी सेल जिला अध्यक्ष राजीव कुमार,युवा प्रधान महासचिव सुशांत झा, संजीव सिंह, सोनू राय, मोहम्मद सद्दाम,सोनू यादव,रोहन सिंह,अर्णव आर्य सहित कई लोजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

असहाय महादलित परिवार के बीच खाद्यान्न राशन एवं स्वच्छता किट वितरण

ताजपुर/समस्तीपुर। ऑक्सफेम इंडिया के सहयोग से दलित विकास अभियान समिति द्वारा आज दूसरे दिन समस्तीपुर जिले के ताजपुर प्रखंड के रामापुर महेशपुर, बाघी ततवा टोला, चकहबीब में 150 परिवार के गैर राशनकार्डधारी, अप्रवासी, असहाय परिवार को कोविड 19, से उतपन्न खाद्यान्न की स्थिति को लेकर खाद्यान्न राशन एवं स्वच्छता किट उचित दूरी के तहत कोरोना

से बचाव के साथ साथ प्रति व्यक्ति 20किलो चावल,10 किलो आटा, 3 किलो मसूर दाल,1 किलो सरसो तेल, नामक 1 किलो, सोयाबीन 2 किलो, चीनी 1 किलो, जीरा 400 ग्राम, गोलकी 400 ग्राम, धनिया 400 ग्राम, मिर्ची 400 ग्राम,चिल्ली पावडर 400 ग्राम के अलावे स्वच्छता किट मास्क 5पीस,साबुन 24 पीस,सेनेट्री पैड 6पीस,सेनिटाइजर आदि गरिमा के साथ लोगो ने स्वतः प्राप्त किया। लोगो ने अपनी संवेदना में यह भी बताया कि जीवन मे पहली बार इस तरह की राशन सम्मान के साथ मिला है,अभी हमलोग कोरोना से ज्यादा परिवार को भूख से मौत की आशंका ज्यादा प्रबल थी। यह वितरण ऑक्सफेम इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रत्यूष प्रकाश के उपस्थिति में परियोजना समन्वयक बबीता कुमारी,कोविड प्रभारी माधुरी कुमारी, कैडर फूलकुमारी देवी एवं संस्था प्रमुख धर्मेन्द्र कुमार की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।

जिला प्रशासन से लॉकडाउन लगाने की मांगः वतन विकास

समस्तीपुर। जिला में बढ़ते कोरोना के मामले एवं उनसे हो रहे दर्दनाक मौत को देखते हुए शहर के प्रख्यात समाज सेवी एवं वतन विकास संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजारूल हक सहारा के कार्यालय में शहर के प्रबुद्ध नसगरिको एवं बुद्धिजीवीयों तथा सामाजिक संगठनों के एक बैठक आहूत की गई एवं कोविड 19 से हो रही संक्रमणों एवं मौतों पर चिंता जताई गई। इस बैठक में वतन विकास संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजारूल हक सहारा ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा की जितनी जल्दी हो सके जिला में एक बार फिर सम्पूर्ण लॉकडाउन कम से कम 15 दिनों कर लगाया जाए अन्यथा कोविड 19 से हर घर मे मौतों का सिलसिला बढ़ता जाएगा। इसी बैठक में शहर के जाने माने समाजसेवी हसीब अहमद ने कहा कि यदि सरकार ने रोकथाम नही किया तो बड़े पैमाने पर लोगो की मृत्यु होगी। उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा की कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए विधानसभा चुनाव को स्थगित करने की मांग किया। मौके पर भीम आर्मी के प्रदेश सलाहकार मन्नू पासवान,मो0 जफर अंसारी, रंजन कुमार, प्रमोद कुमार साह, नवीन दास, शाहनवाज आलम, ताहिर अरमान,शरीक इब्राहिम आदि मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्या है Whey Protein? महिलाओं को कब करना चाहिए इसका सेवन

व्हे प्रोटीन के फायदे : मसल्स और बॉडी बनाने के लिए पुरुष वर्कआउट के साथ व्हे प्रोटीन खाते हैं। व्हे प्रोटीन सप्लीमेंट पुरुषों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह महिलाओं के लिए भी फायदेमंद होता है। जी हां, एक रिसर्च के अनुसार व्हे प्रोटीन सप्लीमेंट का सेवन महिलाओं के लिए भी अच्छा होता है। आइए जानते हैं महिलाओं के लिए व्हे प्रोटीन के फायदे और इसे लेने की सही मात्रा।

क्या होता है व्हे प्रोटीन?

व्हे प्रोटीन ऐसा हाई प्रोटीन होता है, जो प्राकृतिक दूध और मिल्क उत्पादों में पाया जाता है। यह कॉमन डायटरी सप्लीमेंट बॉडीबिल्डिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पचाने में आसान यह सप्लीमेंट वजन घटाने में भी मदद करता है। व्यायाम के तुरंत बाद केवल 10 ग्राम व्हे प्रोटीन खाने ले मसल्स पुनर्निर्माण के लिए तैयार हो जाती है।

महिलाओं के लिए क्यों जरूरी है व्हे प्रोटीन?

महिलाओं में लगातार बढ़ता मोटापा एक आम समस्या बन गई है। इसके कारण वह डायबिटीज, हार्ट डिसीज और कैंसर जैसी बीमारियों की चपेट में भी आसानी से आ जाती है। ऐसे में यह न सिर्फ मोटापा कंट्रोल करने के लिए बल्कि बीमारियों से बचने के लिए भी महिलाओं को व्हे प्रोटीन खाना चाहिए। इतना ही नहीं, इसका सेवन शरीर में प्रोटीन की कमी को पूरा करता है। आप इसे अपने ट्रेनर की सलाह पर ले सकती हैं।

कितनी मात्रा में लेना चाहिए प्रोटीन

बाहर काम करने वाले महिलाओं को बॉडी वेट के हिसाब से प्रोटीन लेना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार, प्रति किलो वजन के हिसाब से 0.75 ग्राम प्रोटीन लेना सही होता है। महिलाएं इसका सेवन वर्कआउट के बाद या उस दौरान कर सकती हैं। आप इसे जूस, दूध और पानी के साथ ले सकती हैं। इसके अलावा आप मीट, मछली, टोफू, नट्स या दालें का सेवन करके भी व्हे प्रोटीन की कमी को पूरा कर सकती हैं क्योंकि इन फूड्स में हाई प्रोटीन होता है।

व्हे प्रोटीन के फायदे

1. पचाने में आसान होने के कारण आप इससे पेट से जुड़ी प्रॉब्लम से बच सकती हैं।
2. यह प्रोटीन शरीर में मसल्स बढ़ाने और फैट को कम करने में मदद करता है।
3. महिलाओं का इम्यून सिस्टम कमजोर होने के कारण वह जल्दी बीमार हो जाती है लेकिन इससे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत मिलती है।
4. जिन महिलाओं को लैक्टोज से एलर्जी की प्रॉब्लम है उनके यह बेहद फायदेमंद है।
5. अगर आप वजन कम करना चाहती हैं तो वर्कआउट के साथ व्हे प्रोटीन का सेवन करें। इससे न सिर्फ मोटापा कम होगा बल्कि वह कंट्रोल में भी रहेगा।
6. एंटीऑक्सीडेंट, एंटी वायरल और एंटी बैक्टीरियल गुण होने के कारण यह ब्लड प्रैशर को कंट्रोल करने में भी मदद करता है।

हैल्दी हेयर के लिए सिर्फ तेल या शैंपू नहीं, ये डाइट भी लेनी जरूरी

बालों के लिए उपयुक्त आहार : बालों को लंबा, घना और खूबसूरत बनाने के लिए आप तेल, शैंपू, मेहंदी, अंडा, शिकाकाई, महंगे हेयर प्रॉडक्ट्स और न जाने क्या-क्या इस्तेमाल करते हैं। मगर इनके साथ-साथ बालों को स्वस्थ रखने के लिए हैल्दी डाइट लेना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए अपने डाइट चार्ट में पोषणयुक्त आहारों को शामिल करें। आइए जानते हैं हैल्दी बालों के लिए आपको क्या-क्या खाना चाहिए।

1. अखरोट का सेवन - रोजाना अखोरट का सेवन बालों को मजबूत और स्वस्थ रखता है। दरअसल, अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों की ग्रोथ को बढ़ाने और उसे मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा यह बालों को झड़ने और दोमुंहे होने से भी रोकता है।

2. हरी सब्जियां - पालक, ब्रोकली व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में मौजूद आयरन बालों को जड़ों से मजबूत बनाता है इसलिए अपनी डाइट में इसे भी जरूर शामिल करें। इसके अलावा स्प्राउट्स का सेवन भी बालों के लिए फायदेमंद होता है।

3. हैल्दी पेय - स्वस्थ बालों के लिए दूध और नारियल पानी का सेवन भी बहुत अच्छा होता है। जहां दूध में मौजूद कैल्शियम बाल झड़ने नहीं देता, वहीं नारियल पानी से शरीर में पानी की कमी नहीं होती, जिससे आप रूसी की समस्या से बचे रहते हैं।

4. अंडा - अंडा प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत होता है। प्रोटीन के अलावा इसमें आयरन, सल्फर, जिंक और सेलेनियम भी पाया जाता है, जोकि बालों को मजबूत और प्रॉब्लम फ्री रखता है। हफ्ते में कम से कम 3-4 बार इसका सेवन बालों के लिए अच्छा होता है।

5. मछली का सेवन - मछली में मौजूद ओमेगा-थ्री फैटी एसिड, विटामिन बी-12 और आयरन भी बालों को चमकदार बनाता है। हफ्ते में कम से कम एक बार इसका सेवन सेहत के साथ बालों के लिए भी फायदेमंद होता है।

6. साबुत अनाज - साबुत अनाज में जिंक, विटामिन बी और आयरन जैसे पोषक तत्व पाये जाते हैं, जो बालों को स्वस्थ रखने में मददगार होता है। इतना ही नहीं, इससे बाल मजबूत भी होते है और हेयरफॉल की समस्या भी दूर होती है।

घर पर आसानी से मिनटों में निकाले व्हाइटहेड्स

बेदाग और गोरे चेहरे की कामना हर किसी की होती है। मगर गलत खान-पान, कम पानी पीना या धूप में ज्यादा समय बिताने से चेहरे पर व्हाइटहेड हो जाते हैं। जो इंसान की पूरी पर्सनैलिटी को खराब कर देते हैं। अपने चेहरे पर पड़े इन दागों को दूर करने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। मगर उनसे भी कोई फायदा नहीं होता। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर आसानी से व्हाइटहेड्स से छुटकारा पा सकते हैं।

1. चंदन पाउडर - व्हाइटहेड से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर का इस्तेमाल करें। 1/2 टी स्पून चंदन पाउडर में 1 टीस्पून डिस्टिल्ड वॉटर डालकर मिक्स कर लें। अब इसको माथे और ठोडी पर लगाकर 5 मिनट के लिए छोड़ दे। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

2. ओटमील - ओटमील भी व्हाइटहेड से राहत दिलाता है। 2 टेबलस्पून उबले ओटमील में 1 टी स्पून गुलाबजल मिलाकर माथे और ठोडी पर लगाएं। तकरीबन 10 मिनट तक इसको चेहरे पर लगा रहने दें। कुछ देर बाद इसको ठंडे पानी से धो लें। रोजाना ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. मुट्ठी भर मेथी- मेथी से भी व्हाइटहेड्स को गायब किया जा सकता है। मेथी के दानों को पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को तकरीबन 20 मिनट तक लगाने के बाद चेहरा गर्म पानी से धो लें।

4. चीनी और शहद स्क्रब- चीनी और शहद को मिलाकर एक स्क्रब बना लें। रात को सोने से पहले या सुबह इस पेस्ट से स्क्रब करें। मगर ध्यान रहें स्क्रब करने के बाद कभी भी चेहरा गर्म पानी से ना धोएं। हमेशा नॉर्मल पानी का ही इस्तेमाल करें।

5. बादाम और दूध 5-6 बादाम को पीसकर 2 चम्मच दूध में मिला लीजिए और गाढ़ा पेस्ट बनाइए। इस पेस्ट से चेहरे को स्क्रब कीजिए। इससे व्हाइहेड्स साफ हो जाएंगे और स्किन चमकदार बनेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शाहिद कपूर के लिए मीरा राजपूत का छलका प्यार

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की शादी को पांच साल हो गए। इस खास मौके को बहुत ही खास तस्वीर और उम्दा मेसेज के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया है मीरा राजपूत ने। मीरा ने अपनी पांचवी ऐनिवर्सरी पर शाहिद के साथ एक लाजवाब तस्वीर पोस्ट की है। यह तस्वीर उनकी शादी के फंक्शन की नजर आ रही है, जिसमें शादी के बंधन में बंधने जा रहे इस कपल की खुशी साफ-साफ झलक रही है। मीरा राजपूत ने इस तस्वीर के साथ उतना ही प्यारा कैप्शन लिखा है। उन्होंने कहा है, पांच साल, 4 आत्माएं, 3 घर, 2 बच्चे और एक सुंदर सा परिवार। ऐसा कोई नहीं है जिसके साथ मैं अपनी जिंदगी का ये सफर तय कर पाती। मुझे तो हर दिन ही आपसे प्यार हो जाता है। मैं इस दुनिया की सबसे लकी लड़की हूं जिसे अपने जीवन का प्यार बेस्ट फ्रेंड के रूप में मिला है। हर चीज का लिए आपका शुक्रिया, मेरी ताकत बनने के लिए और हर जगह मेरा साथ देने के लिए। आई लव यू। उन्होंने आगे लिखा है, 'आप मुझे इस तरह हंसाते हैं, जैसा कोई और नहीं कर सकता। प्लीज ये कभी मत भूलिएगा कि बीवी हमेशा सही होती है और वे तीन गोल्डन शब्द हमेशा याद रहेंगे- आई एम सॉरी।'

कंगना रनौत ने किया सपोर्ट, तो जवाब में केआरके ने लिखा- थैंक्यू बहना जी

पिछले कई दिनों से फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान यानी केआरके के खिलाफ कुछ बॉलीवुड हस्तियों ने जंग छेड़ दी है। केआरके को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कराने के लिए मुहिम शुरू की गई है। इस संदर्भ में अब केआरके को कंगना का सपोर्ट मिला है। कंगना रनौत के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से ट्वीट्स किए गए। इनमें कंगना ने खुलकर केआरके का सपोर्ट किया। जिसके बाद केआरके ने कंगना रनौत का शुक्रिया भी अदा किया। केआरके ने कंगना के लिए लिखा- थैंक्यू बहना जी। कंगना टीम। ये सारा मामला तब शुरू हुआ जब फिल्ममेकर हंसल मेहता ने केआरके के खिलाफ ऑनलाइन पब्लिक पिटीशन डाली। उन्होंने ट्वीट पर अमिताभ बच्चन से अपील करते हुए कहा कि वो केआरके को सोशल मीडिया पर अनफॉलो करें। हंसल मेहता के इस ट्वीट का जवाब देते हुए कंगना ने किसी दूसरे जर्नलिस्ट पर सवाल उठाए। केआरके का समर्थन करते हुए कंगना ने लिखा- आप लोग केआरके को पंचिंग बैग बना सकते हो। लेकिन पावरफुल लोगों को कुछ भी बोलने की आपकी हिम्मत नहीं है। दूसरे ट्वीट में लिखा है- केआरके को फिल्म इंडस्ट्री में कभी स्वीकारा नहीं गया। राजीव मसंद को सभी बड़े स्टार्स के इंटरव्यू करने को मिले, वो नेशनल मैगजीन के लिए लिखते हैं। टीवी शो होस्ट करते हैं।

सुशांत की मौत पर बोलीं रवीना टंडन

सुशांत की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर उठे तूफान को लेकर अब रवीना टंडन ने कुछ बातें कही हैं। रवीना ने सोशल पर इस घटना को लेकर चल रही तरह-तरह की कहानियों को लेकर इसे रोकने के बात कही है। उन्होंने इसे सनसनीखेज बनाने से रोकने और इसके लिए किसी को भी ब्लेम न करने की बातें कही हैं। उनका मानना है कि यह दुनिया से गुजर चुके सुशांत के अपमान किए जाने जैसा है। रवीना टंडन सुशांत सिंह राजपूत से दो बार मिल चुकी हैं, जब वह अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए रिऐलिटी शोज पर पहुंचे थे। रवीना ने सुशांत की मौत के बाद वॉट्सऐप पर चल रहे मेसेज को लेकर हैरानी जताई है और कहा है, 'करण जौहर ने जान बूझकर सुशांत के लिए खराब फिल्म बनाई ताकि वह उनके करियर को बर्बाद कर सके। अब कोई प्रड्यूसर किसी ऐक्टर को करोड़ों रुपये एक बकवास फिल्म करने के लिए क्यों देगा? कोई अपनी ही फिल्म को खराब करने के पीछे इतने पैसे, समय और सारी व्यवस्था के पीछे क्यों खर्च करेगा? ये बहुत हास्यास्पद है।' हालांकि, रवीना बॉलिवुड में कैम्प और मीन गर्ल गैंग की मौजूदगी से इन्कार नहीं करती हैं, जिसे लेकर उन्होंने सुशांत की मौत के बाद ट्वीट भी किया था। इसके साथ ही ऐसे तमाम सिलेब्रिटीज भी सामने आ गए, जिनका आरोप है कि बॉलिवुड में कैम्प और नेपोटिज्म की वजह से उन्हें मौका नहीं मिल पाया।